B.A. Part III (H)
Paper V

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (Gr.)
Department of Sociology
VKJ college Rajnagar

# नातेदारी व्यवस्था (Kinship) Lecture-I → नातेदारी

व्यवस्था भारतीय समाज की एक आधारभूत संस्था है। भारतीय सामाजिक व्यवस्था में नातेदारी व्यवस्था आदी काल से प्रचलित रही है साथ ही यह बहुत ही महत्वपूर्ण भी है। नातेदारी व्यवस्था में प्रकार्यात्मक सम्बन्ध दो विशेष रूपों में होता है, पहला - यह नातेदारी के बीच के सभी सम्बन्धों को परिभाषित करता है तथा दूसरा यह व्यवहार के आदान-प्रदान को निर्धारित करता है। समाज की संरचना को भारतीय समाज में उपस्थित नातेदारी व्यवस्था के द्वारा समझा जा सकता है। सामाजिक संरचना के निर्माण में यह आवश्यक तत्व के रूप में रहा है।

हिन्दू सामाजिक व्यवस्था में इसका महत्वपूर्ण स्थान है। नातेदारी व्यवस्था जीवन के प्रत्येक

2020-7-9 17:18

स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। सामाजिक संरचना एवं व्यक्ति के पारस्परिक सम्बन्धों को इस व्यवस्था के माध्यम से ज्ञात कर सकते हैं। भारतीय समाज को नातेदारी सम्बन्धों के द्वारा ही जाना जा सकता है। नातेदारी सम्बन्धों के बगैर भारतीय समाज की कल्पना सम्भव नहीं है। नातेदारी व्यवस्था किसी न किसी रूप में विश्व में प्रचलित रही है, परन्तु भारतीय समाज में इसकी भूमिका अत्यन्त ही महत्वपूर्ण रही है। नातेदारी व्यवस्था समाजशास्त्रीय व मानव-शास्त्रीय अध्ययन दोनों के लिए समानरूप से उपयोगी है। अतः यह कहा जा सकता है कि नातेदारी व्यवस्था जीवन के प्रत्येक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका को निभाती है।

2020-7-9 17:21